(c) whether the Air India International Corporation propose to start a service up to China and across the Atlantic with these aircraft?]

नागरिक विमान चालन उपमंत्री (श्री अहमद मोहिउद्दीन) : (क) फिलहाल एयर इण्डिया इंटरनेशनल कारपोरेशन के पास कोमेट ४ और मीडियम रेन्ज के जेट हवाई जहाज़ खरीदने की कोई तहरीक नहीं है ।

(ख) और (ग). सवाल ही नहीं उठता ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI AHMED MOHIUDDIN): (a) There is no proposal under consideration at present by the Air India International Corporation to purchase Comet-IV and medium range jet aircraft.

(b) and (c). Do not arise.]

दिल्ली और कुलू के दर्मियान वायुयान सेवा

१०१. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार का इरादा दिल्ली और कुलू के दर्मियान वायुयान सेवा चालू करने का है ? यदि ऐसा है तो सम्भवतः यह कब से चालू होगी, सप्ताह में कितनी बार चलेगी और किराया कितना होगा ?

†[AIR SERVICE BETWEEN DELHI AND KULU

101. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state whether Government propose to start an air service from Delhi to Kulu? If so, when is it likely to be started, what will be its frequency in a week, and what will be the fare?]

नागरिक विमान चालन उपमंत्री (श्री अहमद मोहिउद्दीन) : इण्डियन एयरलाइंस कारपोरेशन कुलू के लिये एयर सरविस चलाने के माली पहलू पर विचार कर रहा है ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI AHMED MOHIUDDIN): The economics of an air service to Kulu are being studied by the Indian Airlines Corporation.]

खतरे की जंजीर का खींचा जाना

१०२. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५८ में प्रत्येक रेलवे पर खतरे की जंजीर खीचने के कितने कितने मामले हुये और उनमें से कितने अनुचित थे;

(ख) इस सम्बन्ध में जुर्माने के रूप में कितनी राशि इकट्ठी की गई ;

(ग) यह संख्या १९५७ के मुकाबिले में कैसी है, और

(घ) इस सम्बन्ध में सुधार के लिये सरकार ने क्या क्या प्रयत्न किये हैं और उसमें कहां तक सफलता मिली है ?

†[ALARM CHAIN PULLING

102. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of cases of alarm chain pulling which took place on each of the Railways during the year 1958, and the number of them which were unjustified;

(b) the amount of money collected as fine in this connection;

(c) how this number compares with that of the year 1957; and

(d) the efforts made by Government to bring about improvement in this respect and the extent to which success has been achieved therein?]

†[ ]English translation.